हिन्दुस्तान

पुराने निवेशकों को नई नीति का लाभ मिलेगा

तैयारी

लखनऊ, विशेष संवाददाता। प्रदेश सरकार ने पुराने निवेशकों को इंडस्ट्री लगाने की मुहिम को आसान करने जा रही है। पुराने निवेशकों को औद्योगिक नीति-2022 का लाभ दिलाने के लिए शर्तें आसान होंगी।

औद्योगिक निवेश व रोजगार प्रोत्साहन नीति-2022 के तहत एलओसी के लिए आवेदन करने वाले निवेशकों ने अगर जमीन खरीद पर स्टांप ड्यूटी की छूट ले ली है। मगर स्टांप ड्यूटी के अतिरिक्त अन्य किसी छूट का लाभ नहीं लिया है और निवेशक को लेटर ऑफ कंफर्ट जारी नहीं हुआ है। तो ऐसे निवेशकों को स्टांप ड्यूटी की राशि वापस करनी होगी। छूट की रकम को वापस करने के बाद निवेशक औद्योगिक निवेश व रोजगार प्रोत्साहन नीति-2022 का लाभ ले सकता है। इससे निवेशकों को ज्यादा रियायतें मिल सकेंगी। इससे संबंधित प्रस्ताव तैयार हो गया है। अगर निवेशक को 2017 की औद्योगिक नीति के तहत एलओसी जारी हो गई है। मगर निवेशक ने एलओसी में दी गई छूट का लाभ नहीं लिया है, तो ऐसे निवेशकों को पुराने लेटर ऑफ कंफर्ट (एलओसी) को निरस्त करना होगा। इसके बाद निवेशक 2022 की नीति के तहत रियायतें ले सकता है। उच्च स्तरीय प्राधिकृत समिति की जल्द होने वाली बैठक में इन प्रस्तावों पर मुहर लगेगी।

नई नीति के तहत राहत देने की तैयारी

हाल की समीक्षा में पता चला कि बहुत से ऐसे निवेशक हैं, जिन्होंने 2017 की औद्योगिक निवेश व रोजगार प्रोत्साहन नीति के तहत आवेदन किया था। मगर अभी तक किन्हीं कारणों से अपनी औद्योगिक परियोजना नहीं लगा पाए हैं। वे भी अपने इस निवेश पर 2022 की नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी के तहत छूट ले सकते हैं। शर्त यह यही है कि पहले ली गई कोई भी छूट वापस करनी होगी।

कई निवेशकों को मिल सकती है मंजूरी

योगी सरकार ग्रांउड ब्रेकिंग सेरनमी की तैयारी कर रही है। उसका फोकस उन निवेशकों पर भी है जो किन्हीं कारणों से उद्योग नहीं लगा पाए। चूंकि उनके पास जमीन व इंफ्रास्ट्रक्चर पहले से ही है तो उनको तेजी से पूरा कराना ज्यादा आसान है। इसलिए उन निवेशकों को मिलने वाली रियायतें में आ रही अड़चनों को दूर किया जा रहा है ताकि इनका भी भूमि पूजन कराया जा सके। सरकार का लक्ष्य है कि ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की औद्योगिक निवेश परियोजनाओं का भूमि पूजन कराया जाए। इस फरवरी में हुए वैश्विक निवेशक सम्मेलन में यूपी सरकार को 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले थे।